संशोधित पाठ्यक्रम

बी.ए. / बी.एस–सी. / बी.कॉम. / बी.एच.एस.–सी.

भाग – एक (आधार पाठ्यकम)

प्रश्न पत्र– प्रथम (हिन्दी भाषा)

(पेपर कोड –0101) पूर्णांक– 75

नोट :–

1. प्रश्न पत्र 75 अंक का होगा।
2. प्रश्न पत्र अनिवार्य होगा ।
3. इसके अंक श्रेणी निर्धारण के लिए जोड़े जायेंगे।
4. प्रत्येक इकाई के अंक समान होंगे।

पाठ्य विषय :–

इकाई–1

क. पल्लवन, पत्राचार, अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली एवं हिंदी में पदनाम

ख. ईदगाह (कहानी) – मुंशी प्रेमचंद

इकाई–2

क. शब्द शुद्धि, वाक्य शुद्धि, शब्द ज्ञान–पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, अनेकार्थी शब्द, समश्रुत शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द एवं मुहावरे–लोकोक्तियाँ

ख. भारत वंदना (कविता)– सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला

इकाई–3

क. देवनागरी लिपि – नामकरण, स्वरूप एवं देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, हिंदी अपठित गद्यांश, संक्षेपण, हिंदी में संक्षिप्तीकरण

ख. भोलाराम का जीव (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई

इकाई–4

क. कम्प्यूटर का परिचय एवं कम्प्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग

ख. शिकागो से स्वामी विवेकानंद का पत्र

इकाई–5

क. मानक हिन्दी भाषा का अर्थ, स्वरूप, विशेषताएँ, मानक, उपमानक, अमानक भाषा

ख. सामाजिक गतिशीलता – प्राचीन काल, मध्यकाल, आधुनिक काल

Scanned with CamScanner

मूल्यांकन योजना :–

प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प होगा। प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक होंगे । प्रत्येक प्रश्न के दो भाग 'क' और 'ख' होंगे एवं अंक कमशः 8 एवं 7 होंगे। प्रश्न–पत्र का पूर्णांक 75 निर्धारित है।

पाठ्यकम संशोधन का औचित्य :–

व्याकरण के बुनियादी ज्ञान, संप्रेषण, कौशल, सामाजिक संदेश एवं भाषायी दक्षता को ध्यान में रखते हुए यह पाठ्यकम प्रस्तावित है।

अध्यक्ष– हिंदी अध्ययन मंडल

Scanned with CamScanner

संशोधित पाठ्यक्रम

बी.ए./बी.एस–सी./बी.कॉम./बी.एच.एस.–सी.

भाग – दो, आधार पाठ्यक्रम

प्रश्न पत्र – प्रथम (हिन्दी भाषा) (पेपर कोड – 0171) **पूर्णांक– 75**

खण्ड – क निम्नलिखित 5 लेखकों के पाठ शामिल होंगे – **अंक–35**

1. महात्मा गांधी	–	चोरी और प्रायश्चित
2. आचार्य नरेंद्र देव	–	युवकों का समाज में स्थान
3. वासुदेव शरण अग्रवाल	–	मातृभूमि
4. हरि ठाकुर	–	डॉ. खूबचंद बघेल
5. पं. माधवराव सप्रे	–	सम्भाषण–कुशलता

खण्ड–ख हिन्दी भाषा और उसके विविध रूप **अंक–16**

1. कार्यालयीन भाषा
2. मीडिया की भाषा
3. वित्त एवं वाणिज्य की भाषा
4. मशीनी भाषा

खण्ड–ग हिन्दी की व्याकरणिक कोटियॉ **अंक–24**

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, किया विशेषण,

समास, संधि एवं संक्षिप्तियां

अनुवाद व्यवहार : अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद

इकाई विभाजन–

इकाई– 1 चोरी और प्रायश्चित : महात्मा गांधी / कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा

इकाई– 2 युवकों का समाज में स्थान : आचार्य नरेन्द्र देव / वित एवं वाणिज्य की भाषा, मशीनी भाषा

इकाई– 3 मातृभूमिः वासुदेवशरण अग्रवाल / संज्ञा सर्वनाम, विशेषण, किया विशेषण

इकाई– 4 डॉ. खूबचंद बघेल : हरि ठाकुर/समास, संधि,

इकाई– 5 सम्भाषण–कुशलता : पं. माधवराव सप्रे, / अनुवाद – अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद, संक्षिप्तियॉ

मूल्यांकन योजना –

प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प होगा। प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक होंगे । प्रत्येक इकाई को दो–दो खण्डों (कमश' 'क' और 'ख' में) विभक्त करते हुए निर्धारित पाठ से 8 एवं शेष पाठ्य सामग्री से 7 अंक के प्रश्न होंगे। इस प्रकार पूरे प्रश्न–पत्र के पूर्णांक 75 होंगे।

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम संशोधन का औचित्य : विद्यार्थी चर्चित एवं सुप्रसिद्ध व्यक्तियों के लेख के माध्यम से समाज एवं राष्ट्रहित के साथ–साथ व्यक्तित्व विकास विषयक मुद्दों से परिचित हो सके तथा व्याकरिणक एवं भाषा विषयक प्रस्तावित पाठ्यक्रम के माध्यम से हिन्दी भाषा संबंधित प्रयोग पक्ष से परिचित होते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से ज्ञानार्जन कर सके।

अध्यक्ष– हिंदी अध्ययन मंडल

Scanned with CamScanner

(संशोधित पाठ्यक्रम)

बी.ए. / बी.एस–सी. / बी.कॉम. / बी.एच.एस.–सी.

भाग – तीन, आधार पाठ्यक्रम

प्रश्न पत्र – प्रथम (हिन्दी भाषा)

(पेपर कोड – 0231) पूर्णांक– 75

इकाई–एक **(क)** भारत माता : सुमित्रानंदन पंत

(ख) कथन की शैलियॉ

1. विवरणात्मक शैली
2. मूल्यांकन शैली
3. व्याख्यात्मक शैली
4. विचारात्मक शैली

इकाई–दो **(क)** सूखी डाली : उपेन्द्रनाथ अश्क

(ख) विभिन्न संरचनाएँ

1. विनम्रता सूचक संरचना
2. विधि सूचक संरचना
3. निषेध परक संरचना
4. काल–बोधक संरचना
5. स्थान–बोधक संरचना
6. दिशा बोधक संरचना
7. कार्य–कारण सम्बन्ध संरचना
8. अनुकम संरचना

इकाई–तीन **(क)** वसीयत : मालती जोशी

(ख) कार्यालयीन पत्र और आलेख

1. परिपत्र
2. आदेश
3. अधिसूचना
4. ज्ञापन
5. अनुस्मारक
6. पृष्ठाकंन

इकाई–चार **(क)** योग की शक्ति : हरिवंश राय बच्चन

(ख) अनुवाद : स्वरूप एवं परिभाषा, उद्देश्य स्त्रोत भाषा और लक्ष्य भाषा,

Scanned with CamScanner

अच्छे अनुवाद की विशेषताएँ,

अनुवाद प्रकिया, अनुवादक

इकाई–पांच **(क)** संस्कृति और राष्ट्रीय एकीकरण : योगेश अटल

(ख) घटनाओं, समारोहों आदि का प्रतिवेदन, विभिन्न प्रकार के निमंत्रण पत्र

मूल्यांकन योजना : प्रत्येक इकाई से एक–एक प्रश्न पूछा जाएगा। प्रत्येक प्रश्न में आंतरित विकल्प होगा। प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक होंगे। इसलिए प्रत्येक प्रश्न के दो भाग 'क' और 'ख' होंगे एवं अंक कमशः 8 एवं 7 अंक होंगे। प्रश्नपत्र का पूर्णांक 75 निर्धारित है।

पाठ्यकम संशोधन का औचित्य –

निर्धारित पाठ का अध्ययन एवं हिन्दी भाषा प्रयोग की व्यवहारिक प्रणालियों से विधार्थियों को परिचित कराना तथा भाषा प्रयोग की सामान्य अशुद्धियों को दूर करने की दृष्टि से पाठ्यकम तैयार किया गया है। विधार्थियों के लिए पाठ्यकम का विस्तार बहुत ज्यादा न हो इसका ध्यान रखा गया है।

अध्यक्ष– हिंदी अध्ययन मंडल

Scanned with CamScanner

संशोधित पाठ्यकम

बी. ए. भाग–1

हिन्दी साहित्य

प्रथम– प्रश्न पत्र

(प्राचीन हिन्दी काव्य) पूर्णांक 75

(पेपर कोड– 0103)

उद्देश्य एवं प्रस्तावना–

प्राचीन से तात्पर्य है– आधुनिक काल से पूर्व का काल। सही अर्थ में हिन्दी भाषा और साहित्य का विकास आदिकाल से शुरू होता है। इसमें धार्मिक तथा ऐतिहासिक दो प्रकार का साहित्य मिलता है, जो प्रबंध, मुत्तक, रासो, फागु, चरित, सुभाषित आदि विविध काव्यरूपों में अभिव्यंजित है। मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि के रूप में इसे प्रतिष्ठापित किया जाता है।

मध्यकालीन काव्य में भक्तिकाव्य, जहां लोक जागरण को स्वर देने वाला है, वहीं रीतिकाल अपने लौकिक– श्रृंगारिका, परिदृश्य में तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक स्थितियों को बेलौस अभिव्यंजित करता है। अतः भाषा, संस्कृति, विचार, मानवता, काव्यरूपता, लौकिकत– पारलौकिकता, आदि दृष्टियों से इसका अध्ययन अत्यावश्यक है।

पाठ्य विषय–

1. कबीर (कबीर– कांतिकुमार जैन, प्रारंभिक 50 साखियाँ)
2. जायसी– (संक्षिप्त पद्मावत– श्यामसुंदर दास, नागमती वियोग वर्णन)
3. सूर (भ्रमर गीत सार– सं. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रारंभिक 25 पद)
4. तुलसी – "रामचरित मानस" के सुंदरकाण्ड से प्रारंभिक 30 दोहे चौपाई छंद साहिंत
5. घनानन्द (घनानन्द– सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, प्रारंभिक 25 छंद)

द्रुत पाठ हेतु निम्नांकित तीन कवियों का अध्ययन किया जावेगा– जिसमें से किन्हीं दो पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे–

1. विद्यापति
2. रहीम
3. रसखान

अंक विभाजन–

1.	व्याख्याएँ (3)	– 21 अंक
2.	आलोचनात्मक प्रश्न (2)	– 24 अंक
3.	लघुउत्तरीय प्रश्न (5)	– 15 अंक
4.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (15)	– 15 अंक

Scanned with CamScanner

संशोधित

बी. ए. भाग–1

हिन्दी साहित्य

द्वितीय– प्रश्न पत्र

हिन्दी कथा साहित्य पूर्णांक 75

(पेपर कोड– 0104)

उद्देश्य एवं प्रस्तावना–

गद्य की प्रमुख विधाओं का इतना द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। इसमें आधुनिक जीवन, अपनी विविध कमियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है। जीवन की अनुभूतियाँ, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए इनका अध्ययन सर्वथा अपेक्षित है।

पाठ्य विषय–

व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए एक उपन्यास एवं आठ कहानीकारों की एक– एक प्रतिनिधि कहानी का अध्ययन आवश्यक है।

उपन्यास 1. प्रेमचंद – गबन

कहानी
1. प्रेमचंद – कफन
2. जयशंकर प्रसाद – आकाश दीप
3. यशपाल – परदा
4. फणीश्वनाथ रेणु – ठेस
5. मोहन राकेश – मलबे का मालिक
6. भीष्म साहनी – चीफ की दावत
7. गुलशेर खाँ शानी – जली हुई रस्सी
8. रांगेय राघव – गदल

द्रुत पाठ के लिए निम्नांकित तीन कथाकारों का अध्ययन अपेक्षित है, जिनमें से किन्हीं दो पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जावेंगे–

1. उपेन्द्रनाथ अश्क, 2. बाल शौरि रेड्डी 3. शिवानी

अंक विभाजन– व्याख्या (3) 21 अंक
आलोचनात्मक प्रश्न (2) 24 अंक
लघुउत्तरीय प्रश्न (5) 15 अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (15) 15 अंक

Scanned with CamScanner

संशोधित

बी. ए. भाग–2

हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न पत्र

अर्वाचीन हिन्दी काव्य (पेपर कोड– 0173) पूर्णांक– 75

प्रस्तावना– आधुनिक काव्य आधुनिकता की समस्त विशेषताओं को समेटे हुए है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व की भाव– भाषा, शिल्प, अन्तर्वस्तु सम्बन्धी समस्त विकास धारा यहां सजीव रूप में देखी जा सकती है। इसे अनदेखा करना मनुष्य की विकास यात्रा को नजर अंदाज करना है। इस यात्रा के साक्षात्कार के लिए आधुनिक काव्य का अध्ययन अपेक्षित ही नहीं अपितु अनिवार्य हैं।

पाठ्य विषय–

1. मैथिलीशरण गुप्त – भारत– भारती की कविताएँ
2. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला – (1) सखि बसन्त आया।
   (2) वर दे, वीणा वादिनी वर दे।
   (3) हिन्दी के सुमनों के प्रति पत्र।
   (4) तोड़ती– पत्थर।
   (5) राजे ने अपनी रखवाली की।
3. सुमित्रानंदन पंत – (1) बादल।
   (2) परिवर्तन 2 पद (1.खोलता इधर जन्मलोचन
   2. आज का दुख कल का आल्हाद)
   (3) ताज।
   (4) झंझा में नीम।
   (5) भारत माता।
4. माखन लाल चतुर्वेदी – (1) बलि पंथी से ।
   (2) साँझ और ढोलक की थापें।
   (3) मैं बेच रही हूँ, दही।
   (4) उलाहना।
   (5) निः शस्त्र सेनानी।
5. स. ही. वात्स्यायन अज्ञेय – (1) सबेरे उठा तो धूप खिली थी।
   (2) साम्राज्ञी का नैवेद्य दान।
   (3) घर।
   (4) चांदनी जी लो।
   (5) दूर्वांचल।

द्रुतपाठ हेतु निम्न कवियों का अध्ययन किया जाएगा, जिन पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे–

Scanned with CamScanner

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय "हरिऔध"।
2. सुभद्रा कुमारी चौहान।
3. श्रीकांत वर्मा।

अंक विभाजन–	व्याख्याएं (3)	– 21 अंक
	आलोचनात्मक प्रश्न (2)	– 24 अंक
	लघुउत्तरीय प्रश्न (5)	– 15 अंक
	वस्तुनिष्ठ (15)	– 15 अंक
	कुल अंक	75 अंक

इकाई विभाजन–

इकाई– 1 व्याख्या
इकाई– 2 गुप्त, निराला
इकाई– 3 पंत, चतुर्वेदी, अज्ञेय
इकाई– 4 द्रुतपाठ के कवि एवं आधुनिक काव्य धारा का इतिहास
(राष्ट्रीय काव्य धारा, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता)
इकाई– 5 वस्तुनिष्ठ (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

Scanned with CamScanner

संशोधित

बी. ए. भाग–2

हिन्दी साहित्य

द्वितीय प्रश्न पत्र

हिन्दी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ(पेपर कोड– 0174) पूर्णांक– 75

पाठ्य विषय–

व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्नों के लिए एक नाटक, पांच प्रतिनिधि निबंध और पाँच एकांकी का निर्धारण किया गया है।

नाटक– अंधेरी नगरी– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

निबंध– 1. कोध – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
2. बसन्त – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी।
3. उस अमराई ने राम– राम कही है – डॉ. विद्यानिवास मिश्र।
4. काव्येषु नाट्यम रम्यम् – बाबू. गुलाब राय।
5. बेईमानी की परत – हरिशंकर परसाई

एकांकी– 1. औरंगजेब की आखिरी रात – डॉ. रामकुमार वर्मा
2. स्ट्राईक – भुनेश्वर
3. एक दिन – लक्ष्मीनारायण मिश्र
4. दस हजार – उदयशंकर भट्ट
5. मम्मी ठकुराईन – डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल

द्रुत पाठ के लिए तीन गद्यकारों का अध्ययन किया जायेगा, जिन पर लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे।
1. राहुल सांकृत्यायन 2. महादेवी वर्मा 3. हबीब तनवीर

अंक विभाजन– व्याख्याएं (3)	–	21 अंक
आलोचनात्मक प्रश्न (2)	–	24 अंक
लघुउत्तरीय प्रश्न (5)	–	15 अंक
वस्तुनिष्ठ (15)	–	15 अंक
कुल अंक		75 अंक

इकाई विभाजन–

इकाई– 1 व्याख्या

इकाई– 2 अंधेरी नगरी एवं कोध, वसन्त, उस अमराई ने राम– राम कही हैं।

इकाई– 3 औरंगजेब की आखिरी रात, स्ट्राईक, एक दिन, दस हजार, मम्मी ठकुराईन

इकाई– 4 द्रुतपाठ के गद्यकार– राहुल सांकृत्यायन, महादेवी वर्मा, हबीब तनवीर।

इकाई– 5 वस्तुनिष्ठ (समग्र पाठ्य विषय से)

Scanned with CamScanner

संशोधित पाठ्यक्रम
बी. ए. भाग– 3
हिन्दी साहित्य
प्रथम प्रश्न पत्र
जनपदीय भाषा– साहित्य (छत्तीसगढ़ी)
(पेपर कोड– 0233)

प्रस्तावना–

हिन्दी केवल खड़ी बोली नहीं है, बल्कि एक बहुत बड़ा भाषिक समूह है। हिन्दी जगत में अनेक विभाषाएं, बोलियाँ और उपबोलियाँ विद्यमान हैं जिनमें सकल साहित्य सम्पदा है। इनके सम्यक अध्ययन और अन्वेषण की आवश्यकता है। जनपदीय भाषा छत्तीसगढ़ी निरन्तर विकास की ओर अग्रसर हो रही है अस्तु, इस भाषा का और इसमें रचित साहित्य का इतिहास– विकास स्पष्ट करते हुए इनसे संबंधित प्रमुख रचनाकारों का आलोचनात्मक अनुशीलन करना हिन्दी के वृहत्तर हित में होगा। छत्तीसगढ़ी भाषा का पाठ्यक्रम निम्न बिन्दुओं पर आधारित हैं–

(क) छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास– विकास
(ख) छत्तीसगढ़ी भाषा में रचित साहित्य का इतिहास
(ग) छत्तीसगढ़ी भाषा के प्रमुख प्राचीन एवं अर्वाचीन रचनाकारों की कृतियों का अध्ययन।

पाठ्य विषय–

रचनाएँ–

(1) प्राचीन कवि संत धर्मदास के 3 पद
   1. गुरू पइंया लागों नाम लखा दीजो हो।
   2. नैना आगे ख्याल घनेरा।
   3. भजन करौ भाई रे, अइसन तन पाय के।
   (सन्दर्भ– धर्मदास के शब्दावली से उद्घृत)
(2) लखनलाल गुप्त का गद्य–
   1. सोनपान
   (गद्य– पुस्तक' सोनपान' के उद्घृत)
(3) अर्वाचीन रचनाकार
   डॉ. सत्यभामा आडिल रचित गद्य
   1. सीख सीख के गोठ
   (गद्य पुस्तक 'गोठ' के उद्घृत)
(4) डॉ. विनय पाठक की कविताएँ–
   1. तँय उठथस सुरूज उथे
   2. एक किसिम के नियाव
   ('अकादसी और अनचिन्हार' पुस्तक से उद्घृत)

Scanned with CamScanner

(5) मुकुन्द कौशल– छत्तीसगढ़ी गजल
"छै बित्ता के मनखे देखों..... से– मछरी मन लाख लेथें" तक
(पुस्तक' छत्तीसगढ़ी गजल' के पृष्ठ 17 से उद्घृत)

द्रुतपाठ के रचनाकार– (व्यक्तित्व एवं कृतित्व)

1. सुन्दर लाल शर्मा
2. कपिलनाथ कश्यप
3. रामचन्द्र देशमुख (रंगकर्मी)

अंक विभाजन– व्याख्याएं (3)	–	21 अंक
आलोचनात्मक प्रश्न (2)	–	24 अंक
लघुउत्तरीय प्रश्न (5)	–	15 अंक
वस्तुनिष्ठ (15)	–	15 अंक
कुल अंक		75

इकाई विभाजन

इकाई एक	–	व्याख्या
इकाई दो	–	प्राचीन एवं अर्वाचीन रचनाकार
इकाई तीन	–	(अ) छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास
		(ब) छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास
इकाई चार	–	द्रुत पाठ के तीन रचनाकार
इकाई पाँच	–	वस्तुनिष्ठ / (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

Scanned with CamScanner

संशोधित पाठ्यक्रम

बी.ए. भाग– 3

द्वितीय प्रश्न पत्र

हिन्दी भाषा– साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन

(पेपर कोड– 0234)

प्रस्तावना–

हिन्दी भाषा का इतिहास जितना प्राचीन है, उतना ही गुढ़– गहन भी। इसमें रचित साहित्य ने लगभग डेढ़ हजार वर्षो का इतिहास पूरा कर लिया है इसलिए हिन्दी भाषा और साहित्य के ऐतिहासिक विवेचन की बड़ी आवश्यकता है। इसी के साथ– साथ हिन्दी ने अपना जो स्वतंत्र साहित्य शास्त्र निर्मित किया हैं, उसे भी रूपायित करने की आवश्यकता है। इसके संज्ञान द्वारा विद्यार्थी की मर्मग्राहिणी प्रतिभा का विकास होगा और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में शुद्ध साहित्यिक विवेक का सन्निवेश होगा।

पाठ्य विषय–

(क) हिन्दी भाषा का स्वरूप विकास– हिन्दी की उत्पत्ति, हिन्दी की मूल आकर भाषाएँ तथा विभिन्न विभाषाओं का विकास। हिन्दी भाषा के विभिन्न रूप–

1. बोलचाल की भाषा
2. रचनात्मक भाषा
3. राष्ट्रभाषा
4. राजभाषा
5. सम्पर्क भाषा
6. संचार भाषा

हिन्दी का शब्द भण्डार– तत्सम, तद्भव, देशज, आगत शब्दावली।

(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास :– आदिकाल, पूर्व मध्यकाल, उत्तर मध्यकाल और आधुनिक काल की सामाजिक , सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, प्रमुख युग प्रवृत्तियाँ, विशिष्ट रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि कृतियाँ, साहित्यिक विशेषताएँ।

(ग) काव्यांग – काव्य का स्वरूप एवं प्रयोजन।
रस के विभिन्न भेद, विभिन्न अंग, विभावादि तथा उदाहरण।

प्रमुख 5 छंद – दोहा, सोरठा, चौपाई, कुण्डलियाँ, सवैया।

शब्दालंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, पुररूक्ति प्रकाश।

अर्थालंकार – उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, भ्रांतिमान।

संदर्भ ग्रन्थ–

(1) हिन्दी साहित्य का इतिहास संपादक– डॉ. सुशील त्रिवेदी व बाबूलाल शुक्ल (प्रकाशक– म. प्र. उ. शि. अनुदान आयोग)

(2) राजभाषा हिन्दी– मलिक मोहम्मद (प्रभात प्रकाशन दिल्ली)

Scanned with CamScanner

(3) हिन्दी भाषा– डॉ. भोलानाथ तिवारी।

अंक विभाजन–

आलोचनात्मक (4)	– 44 अंक
लघुउत्तरीय प्रश्न (4)	– 16 अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (15)	– 15 अंक
	कुल अंक– 75 अंक

इकाई विभाजन–

इकाई– 1 हिन्दी भाषा का स्वरूप– विकास– (खण्ड– 'क')
इकाई– 2 हिन्दी का शब्द भण्डार– (खण्ड 'क' का अंतिम भाग)
इकाई– 3 हिन्दी साहित्य का इतिहास– (खण्ड– ख)
इकाई– 4 काव्यांग– रस, छंद, अंलकार (भाग– ग)
इकाई– 5 लघुउत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न (सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से)

Scanned with CamScanner